भविष्य की व्यावसायिक योजना के लिए एक स्पष्ट और अंतिम दिशा लाएगा।

वैश्विक और क्षेत्रीय खिलाड़ियों और उद्योग के पेशेवरों के साथ पशुधन, पशु प्रोटीन, खाद्य उद्योग के लिए 1 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में वापस आने वाले विव एशिया के लोग अंततः पूरे एशियाई महाद्वीप से बैंकाक के रोमांचक शहर में 2023 में एकत्रित होंगे। प्रदर्शक और आगंतुक भी आनंद लेंगे तब तक शहर के केंद्र से सीधे कार्यक्रम स्थल तक पूरा बीटीएस स्काईट्रेन का हो रहा है विस्तार।

इसके अलावा विक्टेम एशिया के साथ सह–स्थान में स्वास्थ्य और न्यूट्रिशन एशिया को भी जनवरी 2022 के बजाय 7–9 सितंबर, 2022 को नई तारीखों में पुनर्निर्धारित किया गया है। नया स्थान बैंकॉक, थाईलैंड में इम्पैक्ट हॉल 9–10 है।

जबकि अगले भौतिक शो की तैयारी शीघ्र ही शुरू हो जाएगी, 22–24 सितंबर 2021 से वी–कनेक्टएशिया संस्करण डिजिटल इवेंट बहुत जल्द महत्वपूर्ण और ठोस व्यावसायिक अवसर लाने की पुष्टि करता है। वी–कनेक्ट वेब–आधारित, स्मार्टफोन–समर्थित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो मिलने, सीखने और बनाने के लिए है। वर्तमान यात्रा सीमाओं के दौरान सौदों। विव विश्वव्यापी आयोजकों ने उद्योग को इस अद्वितीय व्यावसायिक अवसर का अभी लाभ उठाने की पुरजोर सलाह दी है। वी–कनेक्टएशिया संस्करण के लिए पंजीकरण खुले हैं और व्यापक उच्च स्तरीय सम्मेलन कार्यक्रम भी उपलब्ध है।

ईल्डेक्स प्रदर्शनी 2022 की दूसरी छमाही के लिए निर्धारित है

ईल्डेक्स के आयोजकों को हो ची मिन्ह सिटी में साइगॉन प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर (एसईसीसी) में मार्च 2022 से 3–5 अगस्त, 2022 तक ईल्डेक्स वियतनाम को अपनी मूल तिथि से पुनर्निर्धारित करना होगा।

98 मिलियन की आबादी के साथ, वियतनाम ने जुलाई के अनुसार 5.3 मिलियन टीके की खुराक दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, वियतनाम ने 2021 के अंत तक 18 आयु वर्ग की 50 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने की योजना बनाई है और मार्च 2022 तक अपनी 70 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। घटना को दूसरी छमाही तक स्थगित करके अगले वर्ष से, हम आशा करते हैं कि सीमा पार यात्रा धीरे–धीरे सामान्य हो जाएगी और लंबी मंदी के बाद बाजार की मांग को पूरा करने के लिए यह आयोजन एक आदर्श समय पर निर्धारित किया गया है।

ईल्डेक्स इंडोनेशिया और एक्वाटिका एशिया को भी 9- remove this news हॉल 3–3ए, इंडोनेशिया कन्वेशन प्रदर्शनी (आईसीई), जकार्ता में पुनर्निर्धारित किया गया है। इंडोनेशिया में दैनिक कोविड के मामले उच्च स्तर पर हैं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा आंशिक लॉकडाउन लागू किया गया है। इसके अलावा, एएसपीईआरएपीआई (इंडोनेशिया प्रदर्शनी कंपनी संघ) के अनुसार, इस वर्ष भौतिक प्रदर्शनियों को फिर से खोलने पर कोई आधिकारिक बयान नहीं है। इसलिए, इस आयोजन को क्यू4, 2022 तक स्थगित करके, हम उम्मीद करते हैं कि इंडोनेशिया में व्यापक जन टीकाकरण की उम्मीद की जा सकती है। इस बीच, वियतनाम संस्करण और एशिया संस्करण के बाद, विएनयू एशिया पैसिफिक यह पुष्टि करते हुए प्रसन्न है कि शो का डिजिटल संस्करण वी– कनेक्ट इंडोनेशिया संस्करण अभी भी 24–25 नवंबर 2021 से होने वाला है।

पशुपालन अवसंरचना विकास कोष पर वेबिनार

सीएलएफएमए ने 28 जुलाई 2021 को दोपहर 15:00 बजे/3:00 बजे से पशुपालन और डेयरी विभाग के सहयोग से ''पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ)'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. ओपी चौधरी, संयुक्त सचिव (एनएलएम/पीसी) पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार, डॉ. एस.के. दत्ता, संयुक्त आयुक्त, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार, डॉ. लिपि सैरीवाल सहायक आयुक्त, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार, श्री. सादिक अख्तर, टीम लीडर, पीएमए (प्रबंधक, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी), श्री. उदित पालीवाल, कार्यक्रम प्रबंधन विशेषज्ञ, भारत सरकार के पीएमए (सलाहकार, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी) ने वेबिनार के लिए अपनी बहुमूल्य उपस्थिति दिखाई। डॉ ओ पी चौधरी, संयुक्त सचिव (एनएलएम/पीसी), पशुपालन और डेयरी विभाग, (पशुपालन आधारभूत संरचना विकास योजना) के बारे में जानकारी दी, जिसके

डॉ. एस.के. दत्ता

भारत सरकार वेबिनार से जुड़ने में असमर्थ थे।

भारत सरकार के साथ एएचआईडीएफ पर सीएलएफएमए का दूसरा ऑनलाइन वेबिनार में डॉ. एस.के. दत्ता, संयुक्त आयुक्त, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार शामिल हुए। उन्होंने 15000 करोड़ रुपये की एएचआईडीएफ तहत पशु चारा घटक भी शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि, योजना लाभार्थी को बैंक से 90 प्रतिशत ऋण का लाभ लेने में सक्षम बनाती है, जिस पर भारत सरकार द्वारा 3 प्रतिशत ब्याज सबवेंशन प्रदान किया जाता है, इसके अलावा क्रेडिट गारंटी के रूप में कुल उधार पर 25 प्रतिशत का लाभ उठाने का भी प्रावधान है।

संपूर्ण योजना की एक झलक देने के लिए वेबिनार के दौरान एएचआईडीएफ योजना पर एक लघु फिल्म चलाई गई। टीम लीडर श्री. सादिक अख्तर ने प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सीएलएफएमए के माननीय अध्यक्ष श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव, श्री. सुरेश देवड़ा, माननीय सचिव, सीएलएफएमए का स्वागत किया । उन्होंने श्री दिव्य कुमार गुलाटी, माननीय उपाध्यक्ष सीएलएफएमए और सभी प्रतिभागियों और डॉ लिपि सैरीवाल, सहायक आयुक्त, पशुपालन

डॉ. लिपि सैरीवाल, सहायक आयुक्त, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने एएचआईडीएफ दिशानिर्देशों और आवेदन प्रक्रिया की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया, जो भारत सरकार पर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ऋण के लिए आवेदन करने के तरीके पर भी मार्गदर्शन किया है।

श्री. उदित पालीवाल, कार्यक्रम प्रबंधन विशेषज्ञ, डॉ. लिपि सैरीवाल, सहायक आयुक्त, डॉ. एस. के. दत्ता, संयुक्त आयुक्त श्री. सादिक अख्तर, टीम लीडर ने प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र में बहुत अच्छी तरह से बातचीत की और प्रत्येक प्रश्न को हल करने का प्रयास किया और आगे किसी भी प्रश्न के लिए, उन्होंने भारत के सीएलएफएमए या सीधे वेबसाइट पर संपर्क करने का अनुरोध किया, जहां संपर्क विवरण उपलब्ध हैं, ताकि वे संबंधित हितधारकों को संभालने और उनकी मदद करने का प्रयास कर सकें।

श्री.सादिक अख्तर

और डेयरी विभाग, भारत सरकार के इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने वेबिनार में भाग लेने के लिए अपना बहुमूल्य समय देने के लिए सभी प्रतिभागियों और सीएलएफएमए के सदस्यों का स्वागत किया।

श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव

अध्यक्ष, श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव ने पैनलिस्टों और प्रतिभागियों के लिए सीएलएफएमए ऑफ इंडिया का परिचय दिया और ''उभरती प्रवृत्ति और फीड निर्माण की संभावनाएं'' पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि, सीएलएफएमए इस वेबिनार के बारे में बहुत उत्साहित था क्योंकि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई 15,000 करोड़ रुपये की एएचआईडीएफ योजना पशुधन उद्योग के उत्थान के लिए बहुत फायदेमंद है। उन्होंने सीएलएफएमए नीति पर भी जानकारी दी, जिसमें तीन मूल मूल्य शामिल हैं।

1. सदस्यता मूल्य
2. संगठन की दृश्यता और विश्वसनीयता
3. मान्यता और प्रभाव।

अध्यक्ष, श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव ने पोल्ट्री फीड परिदृश्य और औद्योगिक परिदृश्य, अनाज की वर्तमान बढ़ती कीमतों, विशेष रूप से सोयाबीन भोजन और अन्य प्रोटीन स्रोतों पर भी जानकारी दी, जिसने पशुधन उद्योग में भारी तबाही मचाई है। उन्होंने कोविड–19 के दौरान पशुधन क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों/कठिनाइयों का दृष्टिकोण दिया। कोविड–19 के बाद फीड की बढ़ती लागत और बेहतर मूल्य श्रृंखला, प्रशिक्षण, उपकरण, उपकरण और कर्मचारी की सुरक्षा को लागू करने की राय दी।

उन्होंने मिश्रित चारा उद्योग और पशु किसानों के उत्थान और स्थिरता के लिए सीएलएफएमए द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका, वर्तमान चलन और देश में पशुपालन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में पशुधन उद्योग कैसे सहायक हो सकता है, पर जानकारी दी।

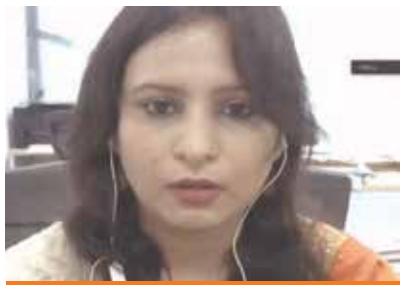

डॉ. लिपि सैरीवाल

डॉ. लिपि सैरीवाल, सहायक आयुक्त, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने एएचआईडीएफ दिशानिर्देशों और आवेदन प्रक्रिया की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया, जो भारत सरकार पर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ऋण के लिए आवेदन करने के तरीके पर भी मार्गदर्शन किया है।

श्री. उदित पालीवाल, कार्यक्रम प्रबंधन विशेषज्ञ, डॉ. लिपि सैरीवाल, सहायक आयुक्त, डॉ. एस.के. दत्ता, संयुक्त आयुक्त श्री. सादिक अख्तर, टीम लीडर ने प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र में बहुत अच्छी तरह से बातचीत की और प्रत्येक प्रश्न को हल करने का प्रयास किया और आगे किसी भी प्रश्न के लिए, उन्होंने भारत के सीएलएफएमए या सीधे वेबसाइट पर संपर्क करने का अनुरोध किया, जहां संपर्क विवरण उपलब्ध हैं, ताकि वे संबंधित हितधारकों को संभालने और उनकी मदद करने का प्रयास कर सकें।

समापन टिप्पणी श्री सुरेश देवड़ा, माननीय सचिव, सीएलएफएमए के द्वारा की गई थी। । उन्होंने कहा, उद्योग

श्री सुरेश देवड़ा,

में लोगों के लिए एएचआईडीएफ फंड एक बहुत अच्छी परियोजना थी, चाहे वे किसान हों, धारा 8 कंपनियां, प्रोपराइटर, पार्टनरशिप फर्म, आदि, क्योंकि वे 90 प्रतिशत ऋण पर 3 प्रतिशत की ब्याज सबवेंशन का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने योजना के विस्तृत दिशा–निर्देश प्रस्तुत करने के लिए डॉ. लिपि सैरीवाल की सराहना की। उन्होंने भारत सरकार को इस योजना के तहत शामिल किए जाने वाले निम्नलिखित अनुरोधों पर विचार करने का सुझाव दिया:

1. कृपया योजना के दायरे का विस्तार करें
2. कुछ और उत्पादों जैसे फीड सप्लीमेंट्स और एडिटिव्स को जोड़ने के लिए, पास फैट, ब्रीडर ब्रॉयलर और हैचरी फार्म
3. इस योजना को सीजीटीएमई योजना से जोडना। जहां 2 करोड़ रुपए तक का गैर जमानती ऋण है और उन्होंने कहा कि यदि इस योजना को सीजीटीएमई योजना के साथ जोड़ दिया जाए तो सीएलएफएमए पूरे मंत्रालय का बहुत आभारी होगा।

श्री सुरेश देवड़ा, माननीय सचिव, सीएलएफएमए ने इस वेबिनार के आयोजन के लिए अपनी और सीएलएफएमए की ओर से सभी को धन्यवाद दिया और डॉ. एस के दत्ता, संयुक्त आयुक्त से अनुरोध किया कि भारत सरकार सीएलएफएमए के अनुरोधों पर विचार करेगी।

धन्यवाद प्रस्ताव श्री सादिक अख्तर, टीम लीडर, पीएमए (प्रबंधक, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी) नें दी। वेबिनार के लिए कुल भागीदारी 150 और 63 प्रतिभागी पंजीकृत थे।

सीएलएफएमए ऑफ इंडिया का हैदराबाद में 54वीं एजीएम और 62वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद

कम्पाउंड लाईवस्टाक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएलएफएमए) ने 24 और 25 सितंबर, 2021 को होटल ताज डेक्कन में अपनी 54वीं वार्षिक आम बैठक और 62वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी हैदराबाद में आयोजित की। कार्यक्रम का विषय 'बढ़ती पशुधन आबादी को खिलाना: वर्तमान और भविष्य की चुनौतियां' था, जो कि सोयामील की कीमतों में हालिया उछाल को देखते हुए बहुत प्रासंगिक था जो कि पशु आहार का एक महत्वपूर्ण घटक है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, श्री पुरुषोत्तम रूपाला और कई अन्य प्रतिष्ठित नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं की उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और भारत के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति देखी गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री विजय डी. भंडारे, संयोजक, सीएलएफएमए ने स्वागत नोट प्रस्तुत किया, इसके बाद श्री दिव्य कुमार गुलाटी, उपाध्यक्ष, सीएलएफएमए ने भाषण दिया। दोनों प्रस्तुतकर्ताओं ने

नीति निर्माताओं को सोयाबीन भोजन के आयात की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया जब उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के संकट का सामना कर रहा था। बाद में सम्मानित अतिथि, माननीय पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री, तेलंगाना, श्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पशुधन क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उत्पादन में सुधार केवल पशु आहार से पोषक तत्वों की उचित आपूर्ति से ही हो सकता है। उन्होंने उद्योग को पशुधन उत्पादकों को

लाभान्वित करने के लिए सरकार के हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया।

इसके बाद सीएलएफएमए के अध्यक्ष श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव का भाषण हुआ। उन्होंने बढ़ती मानव आबादी और प्रोटीन की मांग को पूरा करने में पशुधन उत्पादों के महत्व के बारे में बात करते हुए पर्यावरण की रक्षा की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। श्री विवेक देशपांडे, जेएनपीटी के पूर्व ट्रस्टी और रुद्रानी इंफ्रास्ट्रक्चर के सीएमडी, ने पशुधन उद्योग के महत्व और उद्योग कल्याण और पशुधन क्षेत्र को बढ़ाने में सीएलएफएमए की भूमिका के बारे में बात की। तत्पश्चात माननीय संसद सदस्य, डॉ रंजीत रेड्डी ने पोल्ट्री किसानों के लिए विशिष्ट चुनौतियों के बारे में बात की और नीति निर्माताओं से नीति बनाते समय डेयरी और मत्स्य पालन के रूप में इस क्षेत्र को समान महत्व देने का आग्रह किया।

माननीय सांसद श्री बी बी पाटिल ने भी किसानों की आय बढ़ाने में पशुधन उद्योग के महत्व के बारे में बताया। डॉ ओपी चौधरी, संयुक्त सचिव, विभाग पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने कहा कि सरकार पोल्ट्री सहित पशुधन उद्योग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और हाल ही में सरकार का हवाला दिया। संकट के समय सोयाबीन मील आयात की अनुमति देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पोल्ट्री उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 15,000 करोड़ रुपये के पशुपालन बुनियादी ढांचे के साथ–साथ पोल्ट्री उद्यमियों के लिए भी प्रावधान है।

अपने बहुप्रतीक्षित भाषण में श्री. परषोत्तम रूपाला ने भारत के छोटे और सीमांत किसानों के पास सीमित भूमि, जोत की बाधाओं के साथ प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप किसान की आय को दोगुना करने में पशुधन क्षेत्र के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से पशुधन उत्पादकता बढ़ाने के लिए पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने का भी आग्रह किया और कृषि कचरे से पशु चारा बनाने और संसाधित फीड खाने के लिए तैयार की अवधारणा लाने के लिए विचार आमंत्रित किए। उन्होंने उद्योग जगत को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया और उद्योग के आगे विकास के लिए छोटे और मध्यम स्तर के किसानों की सौदेबाजी की शक्ति बढ़ाने के लिए अनुबंध खेती की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस आयोजन के बारे में बताते हुए, सीएलएफएमए के अध्यक्ष श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव ने कहा, ''भारत का पशुधन उद्योग 7 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ रहा है। बढ़ती डिस्पोजेबल आय के साथ, पशु प्रोटीन की मांग में भी भारी वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि केवल घरेलू अनाज उत्पादन नहीं होगा जबतक पशु आहार के लिए बढ़ती ऊर्जा और प्रोटीन की मांग के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम नहीं होगा जब तक प्रति एकड़ उत्पादकता और मक्का और सोयाबीन जैसे अनाज के कुल उत्पादन को बढ़ाने के लिए कुछ तत्काल कदम नहीं उठाए जायें। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, हमने इन 2 दिनों के दौरान उद्योग और नीति निर्माताओं को शामिल कर बहुत उपयोगी चर्चा की।''

सीएलएफएमए पशुधन क्षेत्र से संबंधित नीति निर्माण पर उद्योग और सरकार के विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत करता है। फीड निर्माण सहित पशु प्रोटीन मूल्य श्रृंखला से एसोसिएशन की विविध सदस्यता है; कुक्कुट पालन, डेयरी और जलीय कृषि व्यवसाय; पशु पोषण और स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा सेवाएं, मशीनरी और उपकरण, मांस का प्रसंस्करण, वितरण और खुदरा बिक्री।

कार्यक्रम का समापन माननीय श्री सुरेश देवड़ा, सचिव, सीएलएफएमए, के धन्यवाद नोट के साथ हुआ। उन्होंने वक्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं, नीति निर्माताओं और प्रतिनिधियों को उनकी जबरदस्त प्रतिक्रिया और इस आयोजन को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए धन्यवाद दिया।